**Q: एबेल पुरस्कार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः**

1. पुरस्कार गणित में अग्रणी वैज्ञानिक उपलब्धियों को मान्यता देता है।
2. यह पुरस्कार नोबेल पुरस्कार के बराबर है।
3. यह स्वीडिश अकादमी द्वारा प्रदान किया जाता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- पहली बार 2003 में दिया गया एबेल पुरस्कार "गणित में अग्रणी वैज्ञानिक उपलब्धियों को मान्यता देता है"।
- इसका नाम नार्वेजियन गणितज्ञ नील्स हेनरिक एबेल (1802-29) के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने अपने छोटे से जीवन में कई क्षेत्रों में अग्रणी योगदान दिया।
- इसे अक्सर नोबेल पुरस्कार के समकक्ष माना जाता है।जिसमें गणित के लिए कोई श्रेणी नहीं होती है और इसे इस तरह से मॉडल किया गया है।
- पुरस्कार के रूप में 7.5 मिलियन क्रोनर (लगभग $ 720,000) का मौद्रिक पुरस्कार और नॉर्वेजियन कलाकार हेनरिक हौगन द्वारा डिज़ाइन किया गया एक ग्लास पट्टिका दिया जाता है।
- यह पुरस्कार शिक्षा मंत्रालय की ओर से नॉर्वेजियन एकेडमी ऑफ साइंस एंड लेटर्स द्वारा प्रदान किया जाता है।

**Q: गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2019 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः**

1. अधिनियम सीबीआई के महानिदेशक को संपत्ति की जब्ती या कुर्की की मंजूरी देने का अधिकार देता है।
2. अधिनियम आतंकवाद के मामलों की जांच करने के लिए इंस्पेक्टर या उससे ऊपर के रैंक के एनआईए के अधिकारियों को अधिकार देता है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- अगस्त में, संसद ने अधिनियम में प्रदान किए गए कुछ आधारों पर व्यक्तियों को आतंकवादी के रूप में नामित करने के लिए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2019 को मंजूरी दे दी।
- अधिनियम राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक को संपत्ति की जब्ती या कुर्की की मंजूरी देने का अधिकार देता है, जब उक्त एजेंसी द्वारा मामले की जांच की जाती है।

- अधिनियम राज्य में डीएसपी या एसीपी या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारी द्वारा किए गए आतंकवाद के मामलों की जांच के अलावा, एनआईए के अधिकारियों को, इंस्पेक्टर या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों को अधिकार देता है।

**Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः**

1. लोक प्रहरी बनाम भारत संघ (2018) मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि दोषसिद्धि पर अदालत द्वारा रोक लगा दी जाती है, तो दोषसिद्धि से उत्पन्न अयोग्यता को उलट दिया जाएगा।
2. संविधान का अनुच्छेद 102 एक सांसद की अयोग्यता के आधार से संबंधित है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: c
व्याख्या:

- सुप्रीम कोर्ट ने लोक प्रहरी बनाम भारत संघ (2018) में अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अगर दोषसिद्धि पर अदालत द्वारा रोक लगा दी जाती है तो दोषसिद्धि से उत्पन्न अयोग्यता को उलट दिया जाएगा।
- संविधान का अनुच्छेद 102 एक सांसद की अयोग्यता के आधार से संबंधित है।
- अनुच्छेद 102(1) का उप-खंड (ई) कहता है कि एक सांसद सदन की अपनी सदस्यता खो देगा "यदि वह संसद द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के तहत या उसके द्वारा अयोग्य घोषित किया जाता है"। इस मामले में कानून आरपी अधिनियम है।

**Q: निम्नलिखित खेलों पर विचार कीजिएः**

1. फिना
2. विश्व रग्बी
3. ब्रिटिश ट्रायथलॉन

निम्नलिखित में से किस खेल संघ ने ट्रांसजेंडर पर प्रतिबंध लगाया था?

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d
व्याख्या:

- नवंबर 2021 में जारी अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की निष्पक्षता की रूपरेखा में कहा गया है कि "एथलीटों को केवल उनकी ट्रांसजेंडर पहचान या सेक्स विविधता के आधार पर बाहर नहीं रखा गया है"।

- लेकिन आईओसी ने नियम बनाने की जिम्मेदारी खेल संघों पर डाल दी थी। एफआईएनए ने 2022 में प्रतिबंध लागू किया।
- हालांकि, 2020 में वर्ल्ड रग्बी महिला प्रतियोगिता में ट्रांसजेंडर महिलाओं को बार करने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ बन गया।
- इसके बाद, रग्बी फुटबॉल लीग और रग्बी फुटबॉल यूनियन ने भी ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला प्रतियोगिता से प्रतिबंधित कर दिया।
- 2022 में, ब्रिटिश ट्रायथलॉन ने इसी तरह का प्रतिबंध लागू किया था।

**Q: हाल में भारत के प्रधानमंत्री ने वाराणसी में वन वर्ल्ड टीबी समिट 2023 का उद्घाटन किया। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:**

1. टीबी मुक्त पंचायत पहल शुरू की गई।
2. एक नया उपचार निवारक उपचार भी शुरू किया गया।
3. 2030 तक तपेदिक संक्रामक रोग को खत्म करने की भारत की प्रतिबद्धता।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- इस कार्यक्रम ने 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक अत्यधिक बोझ वाली संक्रामक बीमारी को खत्म करने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।
- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मार्च 2018 में दिल्ली एंड टीबी शिखर सम्मेलन में यह दृष्टिकोण पहली बार व्यक्त किया गया था।
- उन्होंने पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस पर एक प्रशिक्षण मॉड्यूल लॉन्च किया। यह मॉड्यूल भारत में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के माध्यमिक और तृतीयक स्तरों के स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए विकसित किया गया है।
- प्रधानमंत्री ने टीबी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, बीमारी से जुड़े कलंक को खत्म करने और सेवाओं की निगरानी और सुधार में मदद करने के लिए 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के समर्थन का लाभ उठाने के लिए टीबी-मुक्त पंचायत पहल की भी शुरुआत की।
- टीबी के संक्रमण को रोकने के लिए एक नए उपचार के तौर पर प्रीवेंटिव थेरेपी भी शुरू की गई - जिससे रोग के प्रसार को रोका जा सके। साथ ही, टीबी से प्रभावित परिवारों का हित सुनिश्चित करने के लिए एक परिवार-केंद्रित देखभाल मॉडल की भी घोषणा की गई।